

## असाधार्ण EXTRAGRDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩i. 223]

**मई बिस्ली, सोमबार, अप्रैल 19, 1993/चैल 29, 1915** 

No. 223]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 19, 1993/CHAITRA 29, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप के रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a separate compilation

विधि, न्याय और कपनी कार्य मत्रालय

(विधायी विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 म्रप्रैल, 1993

का. आ. 247(अ):— राष्ट्रपति ने, लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन कराने के प्रयोजन के लिए, लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 14 की उपभारा (2) के अधीन निकाली गई अधिसूबना द्वारा, जो तारीख 19 अप्रैल, 1991 के भारत के राजपन्न के ग्रसाधारण अंक में प्रकाशित की गई थी, सभी संसदीय निर्वाचित केनों (उनसे भिन्न जो जम्मू कश्मीर राज्य में हैं) से श्रपेक्षा की थी कि वे उक्त सदन के लिए सदस्य निर्वाचित करें;

और निर्वाचन भ्रायोग ने, भारत के संविधान के अनुच्छेद 324, लोक प्रतिनिधित्व भिष्ठिनियम, 1951 की धारा 58, धारा 58 के, धारा 135 के और धारा 153 हारा प्रवत शिक्तियों तथा इस निमित्त उसे सशक्त करने वाली मभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विहार राज्य में 35-पटना संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन 21-5-1991 को प्रत्यादिष्ट कर दिया था;

और 35-पटना संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट करने वाले निर्वाचन आयोग के तारीख 21-5-1991 के ब्रादेश को, उस निर्वाचन में लड़ने वाले एक अभ्यर्थी ने विल्ली उच्च न्यायालय में 1991 की सिविल रिट याचिका स. 2044 (श्री ब्राई. के. गुजराल बनाम भारत निर्वाचन ब्रायोग और श्रन्य) द्वारा प्रश्नगत किया था;

और उच्च न्यायालय ने तारीख 28-10-1992 को दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्वोक्त सिबिल रिट याचिका को वापस लिए जाने के कारण खारिज कर दिया था;

और उक्त निर्वाचन के संबंध में सभी कार्यवाहियां सब बाबत नए निरे से प्रारम्भ की जानी हैं मानो वे नए निर्वाचन के लिए हो;

प्रतः ग्रब, राष्ट्रपति, लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 14 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसरण में, उक्त ससदीय निर्वाचन क्षेत्र ने अपेक्षा करते हैं कि वह उक्त अधिनियम के और उसके ग्रधीन बनाए गए नियमों और किए गए ग्रादेणों के उपबंधों के ग्रनुसार सदस्य निर्वाचित करें।

[सं. 13(5) 93 वि. (II)] के. एल. मोहनपुरिया, सचिव,

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 1993

S.O. 247(E).—Whereas, for the purpose of holding a general election to the House of the People, the President had, by notification issued under subsection (2) of section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and published in an extracrdinary issue of the Gazette of India dated

the 19th April, 1991 called upon all the Parliamentary Constituencies (other than those within the State of Jammu and Kashmir) to elect members to the said House;

And whereas the Election Commission, in exercise of the powers conferred by article 324 of the Constitution of India, sections 58, 58A, 135A and 153 of the Representation of the People Act, 1951 and all other powers enabling it in this behalf, countermanded the election on 21-5-1991 in 35-Patna Parliamentary Constituency in the State of Bihar;

And whereas the order dated 21-5-1991 of the Election Commission countermanding the election in 35-Patna Farliamentary Constituency was called in question by one of the contesting candidates at that election before the High Court of Delhi in Civil Writ Petition No. 2044 of 1991 (Shri I. K. Gujral vs. Election Commission of India and others);

And whereas the aforesaid Writ Petition before the High Court of Delhi has been dismissed by the High Court on 28-10 1992, as withdrawn;

And whereas all proceedings with reference to the said election have to be commenced anew in all respects as if for a new election;

Now, therefore, in pursuance of the provisions contained in sub-section (2) of section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the President is hereby pleased to call upon the said parliamentary constituency to elect a member to the House of the People in accordance with the provisions of the said Act and of the rules and orders made thereunder.

[No. 13(5)|93-Leg. 11]

K. L. MOHANPURIA, Secy.